प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में रामनिवास, सुरेश और संजय रहे प्रथम स्थान पर

जागरण संवाददाता, हिसार : दयानन्द महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पहले चरण में लिखित परीक्षा के बाद श्रेष्ठ पांच टीमों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रमोद जांगड़ा एवं विपुला ने प्रतियोगी टीमों से प्रश्न पूछे।विभागाध्यक्ष डा. महेन्द्र सिंह ने भी विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे एवं विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विद्यार्थी अपनी बौद्धिक शक्ति को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अव्वल स्थान प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या डा. सुमन सरदाना ने कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में रामनिवास, सुरेश एवं संजय प्रथम रहे, द्वितीय स्थान पर हरदीप, प्रवेश एवं हरिदास रहे तथा तृतीय स्थान निर्मला, विकास एवं शुभम ने प्राप्त किया।

19 अक्टूबर 2019 दैनिक जागरण

दयानन्द महाविद्यालय में राष्ट्रीय वैब संगोष्ठी का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 जनवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के रक्षा अध्ययन, इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ''भारत एवं पड़ोसी देश'' विषय पर आज एक राष्ट्रीय वैबीनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. जे.एस. वड़ैच्च, अध्यक्ष, रक्षा अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ तथा डॉ. केवल कृष्ण, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला रहे। संगोष्ठी के प्रारम्भ में डॉ. महेन्द्र सिंह, अध्यक्ष इतिहास विभाग ने संगोष्ठी का उद्देश्य स्पष्ट किया तथा वक्ताओं का परिचय करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने भारत एवं पड़ोसी देशो के सम्बन्धों तथा विश्व के बदलते ध्रुवीकरण पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में मुख्यवक्ता डॉ. जे.एस. वड़ैच्च ने भारत-पाकिस्तान के सम्बन्धों को अपनी विषय वस्तु बनाया। उन्होंने पाकिस्तान के निर्माण, कश्मीर के बारे में दोनों देशों की नीति, बाह्य देशों के इन देशों के बारे में हित तथा सांस्कृतिक पक्षों को उभारा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में लोकतन्त्र लगभग असफल रहा है तथा सेना की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने के कारण युद्ध का माहौल बनाना उनकी आवश्यकता है। पाकिस्तान की आतंकवाद के प्रति नीति तथा एल.ओ.सी. पर तनाव को भी इंगित किया। संगोष्ठी में दूसरे विशेषज्ञ डॉ. केवल कृष्ण ने भारत चीन सम्बन्धों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने हिमाचल के सामरिक महत्व, 1962 के युद्ध की परिस्थिति, अन्तरराष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के उभरने तथा दोनों देशों की सैन्यशक्ति इत्यादि पक्षों को वर्णित किया। उन्होंने दोनों देशों की राजनीतिक, आर्थिक जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए एल.ए.सी. पर वर्तमान में जारी तनाव को भी अपनी चर्चा में लिया। संगोष्ठी समन्वयक व रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. जोगेन्द्र सिंह ने संगोष्ठी के महत्व तथा विधार्थियों को इसमें भाग लेने के विषय में विचार सांझा किए। डॉ.सुरूचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा अतिथियों के प्रति आभार अभिव्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में तीनों विभागों के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा भागीदारी की गई तथा काफी मुद्दों के सवाल-जवाब के रूप में संवाद भी हुआ। इसमें रक्षा अध्ययन विभाग के प्रमोद कुमार, हेमन्त तथा इतिहास विभाग के महेन्द्र सिंह, राजनीतिक विज्ञान के महेन्द्र सिंह, मनदीप सिंह, रमेश सिंह के अतिरिक्त कम्प्यूटर विभाग की अल्का तथा मोनिका की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं। महाविद्यालय व अन्य विभागों के शिक्षक, गैर-शिक्षक तथा विद्यार्थी भी इससे जुड़े। प्रस्तुत कार्यक्रम भारतीय सेना के वीर जांबाज सैनिकों के प्रति समर्पित किया गया तथा इन देशों के साथ युद्धों में शहादत देने वालों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि भी दी गई।

पाकिस्तान का लोकतंत्र रहा है असफल : डॉ. वड़ैच्च

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन, इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत एवं पड़ोसी देश' विषय पर वीरवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ. जेएस वड़ैच्च और पंजाबी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. केवल कृष्ण ने बतौर मुख्य वक्ता हिस्सा लिया।

डॉ. वड़ैच्च ने भारत-पाकिस्तान के संबंधों पर विचार रखे और कहा कि पाकिस्तान में लोकतंत्र लगभग असफल रहा है, जबकि डॉ. केवल कृष्ण ने भारत चीन संबंधों को लेकर हिमाचल के सामरिक महत्व, 1962 के युद्ध की परिस्थिति, अंतरराष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के उभरने और दोनों देशों की सैन्य शक्ति इत्यादि पक्षों को वर्णित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. जोगेंद्र सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, प्रमोद कुमार, हेमंत, इतिहास विभाग के महेंद्र सिंह, राजनीतिक विज्ञान के महेंद्र सिंह, मनदीप सिंह, रमेश सिंह के अतिरिक्त कंप्यूटर विभाग की अल्का और मोनिका की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं।

पाक में सेना की भूमिका महत्वपूर्ण, इस कारण युद्ध का माहौल बनाना उनकी आवश्यकता : वड़ैच्च

हिसार/21 जनवरी/रिपोर्टर

दयानन्द महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन, इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ''भारत एवं पड़ोसी देश'' विषय पर आज एक राष्ट्रीय वैबीनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जेएस वड़ैच्च तथा पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के डॉ. केवल कृष्ण रहे। संगोष्ठी के प्रारम्भ में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह ने संगोष्ठी का उद्देश्य स्पष्ट किया तथा वक्ताओं का परिचय करवाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने भारत एवं पड़ोसी देशों के सम्बन्धों तथा विश्व के बदलते ध्रुवीकरण पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. जेएस वड़ैच्च ने भारत-पाकिस्तान के सम्बन्धों को अपनी विषय वस्तु बनाया। उन्होंने पाकिस्तान के निर्माण, कश्मीर के बारे में दोनों देशों की नीति, बाह्य देशों के इन देशों के बारे में हित तथा सांस्कृतिक पक्षों को उभारा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में लोकतन्त्र लगभग असफल रहा है तथा सेना की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने के कारण युद्ध का माहौल बनाना उनकी आवश्यकता है। पाकिस्तान की आतंकवाद के प्रति नीति तथा एलओसी पर तनाव को भी इंगित किया। संगोष्ठी में दूसरे विशेषज्ञ डॉ. केवल कृष्ण ने भारत चीन सम्बन्धों की चर्चा करते हुए हिमाचल के सामरिक महत्व, 1962 के युद्ध की परिस्थिति, अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के उभरने तथा दोनों देशों की सैन्यशक्ति इत्यादि पक्षों को वर्णित किया। उन्होंने दोनों देशों की राजनीतिक, आर्थिक जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए एलएसी पर वर्तमान में जारी तनाव को भी अपनी चर्चा में लिया। संगोष्ठी समन्वयक व रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. जोगेन्द्र सिंह ने संगोष्ठी के महत्व तथा विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के विषय में विचार सांझा किए। डॉ. सुरूचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा अतिथियों के प्रति आभार अभिव्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में तीनों विभागों के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा भागीदारी की गई तथा काफी मुद्दों के सवाल-जवाब के रूप में संवाद भी हुआ। इसमें रक्षा अध्ययन विभाग के प्रमोद कुमार, हेमन्त तथा इतिहास विभाग के महेन्द्र सिंह, राजनीतिक विज्ञान के महेन्द्र सिंह, मनदीप सिंह, रमेश सिंह के अतिरिक्त कम्प्यूटर विभाग की अल्का तथा मोनिका की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं। महाविद्यालय व अन्य विभागों के शिक्षक, गैर-शिक्षक तथा विद्यार्थी भी इससे जुड़े। प्रस्तुत कार्यक्रम भारतीय सेना के वीर जांबाज सैनिकों के प्रति समर्पित किया गया तथा इन देशों के साथ युद्धों में शहादत देने वालों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि भी दी गई।

1971 में आज ही के दिन 93 हजार पाकिस्तानी सेना के जवानों भारतीय सेना के समक्ष किया था समर्पणः महेंद्र सिंह

हांसी क्रांति न्यूज

हिसार, : डीएन कॉलेज हिसार के रक्षा अध्ययन विभाग में विजय दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने विभाग में प्रथम फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और प्रथम सीडीएस बिपिन रावत के चित्र भेंट किए। इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में भारत के वीर सैनिकों ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन किया था। इस युद्ध में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद सबसे बड़ा सरेंडर पाकिस्तान के 93000 सैनिकों ने भारतीय सेना के समक्ष किया था। आज सभी भारतीयों को इस गौरवशाली इतिहास को समझने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि युवाओं को भारतीय इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य का सपना संजोना चाहिए। जब तक हम अपने सच्चे इतिहास को समझेंगे नहीं व भारतीय सेना की वीरता से परिचित नहीं होंगे तब तक हम एक नव शक्तिशाली भारत का निर्माण नहीं कर सकते। इसलिए यहां पर रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि उन्हें खुद सच्चा इतिहास जानकर आगे आने वाली पीढ़ियों के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना है।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. रविंद्र कुमार, नरेन्द्र सोनी व रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्षा अध्ययन विभाग में विजय दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने विभाग में प्रथम सीडीएस बिपिन रावत के चित्र भेंट किए

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। डीएन कॉलेज हिसार के रक्षा अध्ययन विभाग में विजय दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने विभाग में प्रथम फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और प्रथम सीडीएस बिपिन रावत के चित्र भेंट किए। इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत के वीर सैनिकों ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन किया था। इस युद्ध में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद सबसे बड़ा सरेंडर पाकिस्तान के 93000 सैनिकों ने भारतीय सेना के समक्ष किया था। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि युवाओं को भारतीय इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य का सपना संजोना चाहिए। यहां पर रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि उन्हें खुद सच्चा इतिहास जानकर आगे आने वाली पीढ़ियों के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. रविंद्र कुमार, नरेन्द्र सोनी व रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीएन कॉलेज में प्रथम फील्ड मार्शल मानेकशॉ और सीडीएस बिपिन रावत के चित्र किए भेंट

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। डीएन कॉलेज हिसार के रक्षा अध्ययन विभाग में विजय दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने विभाग में प्रथम फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और प्रथम सीडीएस बिपिन रावत के चित्र भेंट किए। इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत के वीर सैनिकों ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन किया था। इस युद्ध में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सरेंडर पाकिस्तान के हजारों सैनिकों ने भारतीय सेना के समक्ष किया था।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि युवाओं को भारतीय इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य का सपना संजोना चाहिए। जब तक हम अपने सच्चे इतिहास को समझेंगे नहीं व भारतीय सेना की वीरता से परिचित नहीं होंगे तब तक हम एक नव शक्तिशाली भारत का निर्माण नहीं कर सकते। इसलिए यहां पर रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि उन्हें खुद सच्चा इतिहास जानकर आगे आने वाली पीढ़ियों के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना है।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. रविंद्र कुमार, नरेन्द्र सोनी व रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

QUIZ
MPETITION
ence Studies
ge, Hisar
Team A
Team B
Team C
Team D
Team E

Defence Studies Quiz

DAYA

DAYA AND
HISAR

KARGIL VIJAY DIWAS : 26 JUL 2019
REMEMBERING OUR BRAVEHEARTS

General Bipin Rawat